साहित्य अकादमी द्वारा कमल किशोर गोयनका की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

डा. कमल किशोर गोयनका की याद में पहुंचे लेखक।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार कमल किशोर गोयनका की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि समागम में उपस्थित शख्सियतों के अलावा देश-विदेश से कई अन्य लेखक व साहित्यकार भी ऑनलाइन शामिल हुए। सबसे पहले साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने गोयनका को उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भेंट की और कहा कि प्रेम चंद व प्रवासी साहित्य के अलावा उन्होंने और भी कई विषयों पर उल्लेखनीय काम किया है। सुरिंदर दूबे ने केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के साथ बिताये समय को याद करते हुए कहा कि उन्होंने प्रेम चंद व प्रवासी साहित्य को आगे लाने के लिए अपनी सारी ऊर्जा लगा दी। अनिल जोशी ने हिन्दी को विश्वभाषा बनाने के लिए किए शानदार प्रयासों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। नारायण कुमार ने विश्व हिन्दी कान्फ्रैंसों में उनके द्वारा किए कार्यों को बड़ी श्रद्धा से याद करते हुए उन्हें बेमिसाल बताया। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने उन्हें एक उत्साही मार्गदर्शक के रूप में याद किया जो युवा प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए निरंतर सक्रिय था। दिव्या माथुर जो ऑनलाइन जुड़ी हुई थीं, ने उन्हें एक योद्धा के रूप में याद किया है, जिसने प्रवासी लेखकों को सम्मान व मान्यता दी। दिविक रमेश ने अपने गुरु को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपनी बात रखी पर कभी किसी का अपमान नहीं किया। साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा व साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने उनकी मेहनत व लगातार सक्रिय रहने के गुणों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। इसके अलावा रविशंकर, अल्का सिन्हा, प्रभाव कुमार, राकेश पांडे, शैलेजा सक्सेना व रीटा रानी पालीवाल ने उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। प्रोग्राम का संचालन अकादमी के उप सचिव देविंदर कुमार देवेश ने किया। समागम के अंत में डा. गोयनका व डा. निर्मल जैन की रूहों की आत्मिक शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर अरदास की गई।